चक्रवात ‘मुरासु’: 3 नवंबर तड़के दक्षिण आंध्र तट पर लैंडफॉल, IMD ने दी पुष्टि

पर्यावरण/आपदा-प्रबंधन | चक्रवात • IMD • GS-I/III | समाचार-संदर्भ: 31 अक्टूबर 2026 (IMD बुलेटिन), 1 नवंबर 2026 (चक्रवाती तूफान) | प्रकाशन: 2 नवंबर 2026 | अद्यतन: 3 नवंबर 2026 (लैंडफॉल)



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

क्षेत्रीय विशेष मौसम केंद्र (RSMC) नई दिल्ली के विशेष उष्णकटिबंधीय मौसम-पूर्वानुमान (31 अक्टूबर 2026, 1800 UTC आधारित) के अनुसार दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी का निम्न दबाव 1800 UTC पर 10.9°N/87.5°E, चेन्नई से लगभग 830 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था। पूर्वानुमान के अनुसार तंत्र 1 नवंबर को गहरे निम्न दबाव से चक्रवाती तूफान बना — IMD ने 1 नवंबर को इसे चक्रवाती तूफान **‘मुरासु’** के रूप में तीव्रता लेने की पुष्टि की। अनुमान है कि यह 2 नवंबर को पश्चिम-मध्य खाड़ी में गंभीर चक्रवाती तूफान (Severe Cyclonic Storm) बनेगा और 2 नवंबर देर रात 11:30 बजे से 3 नवंबर तड़के 4:00 बजे (IST) के बीच नेल्लोर-नरसापुर के बीच 100-110 किमी/घंटा (झकोरा 120 किमी/घंटा) की गति से पार करेगा। आंध्र, तेलंगाना और ओडिशा के तटीय जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी है; मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह जारी है।

अद्यतन (3 नवंबर 2026): लैंडफॉल पूर्ण

IMD के उष्णकटिबंधीय चक्रवात परामर्श क्रमांक 14 (3 नवंबर 2026, 0210 UTC / 0740 IST जारी, 0000 UTC आधारित) के अनुसार **गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु** ने दक्षिण आंध्र तट को नेल्लोर और नरसापुर के बीच, ओंगोले के निकट (15.53°N/80.22°E, बापटला से लगभग 40 किमी दक्षिण-पश्चिम) **2 नवंबर रात 2200 UTC से 3 नवंबर 0000 UTC (3 नवंबर तड़के 3:30 से 5:30 IST)** के बीच गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में (अधिकतम हवा 100-110 किमी/घंटा, झकोरा 120) पार किया। IMD के अनुसार तंत्र उत्तर-उत्तर-पश्चिम बढ़ते हुए 3 नवंबर 0600 UTC तक चक्रवाती तूफान (80-90 किमी/

घंटा) और 1800 UTC तक गहरे निम्न दबाव में कमजोर होगा। आंध्र प्रदेश और आसन्न उत्तर तमिलनाडु तटों के लिए चक्रवात-चेतावनी तथा लैंडफॉल-पश्चात आउटलुक (रेड संदेश) जारी है।

विस्तृत पूर्वानुमान-विवरण (2 नवंबर, 1730 IST बुलेटिन)

IMD के उष्णकटिबंधीय चक्रवात परामर्श क्रमांक 9 (2 नवंबर 2026, 1200 UTC / 1730 IST जारी) और घंटा-वार बुलेटिन क्रमांक 3 (1430 IST) के अनुसार **गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु** 1430 IST पर 14.25°N/80.95°E (नेल्लोर से 110 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व) पर केंद्रित था, अधिकतम हवा **100-110 किमी/घंटा** (झकोरा 120)। **पूर्वानुमान** था: लैंडफॉल नेल्लोर-नरसापुर के बीच (ओंगोले के दक्षिण) **2 नवंबर रात 11:30 से 3 नवंबर तड़के 4:00 IST** के बीच; तटीय ज्वार के ऊपर **1.5-2.0 मीटर** तूफानी जलोत्प्लावन (अधिकतम बापटला, कृष्णा और प्रकाशम जिले)। 0830-1230 IST दर्ज वर्षा: काकीनाड़ 30.4 मिमी, कावली 8.7, नेल्लोर 4.0। यह उस समय का पूर्वानुमान था; लैंडफॉल 3 नवंबर तड़के पूर्ण हो चुका है (ऊपर अद्यतन देखें)।

पृष्ठभूमि

उत्तर भारतीय महासागर में चक्रवात-ऋतु का दूसरा शिखर अक्टूबर-नवंबर में आता है; हालिया चक्रवात अर्नब (अक्टूबर अंत) के बाद यह मौसम का दूसरा तंत्र है — दोनों अलग घटनाएँ हैं। तटीय आंध्र प्रदेश (नेल्लोर-नरसापुर खंड) ऐतिहासिक रूप से चक्रवात-संवेदनशील; NDRF/राज्य आपदा-तंत्र की तैयारी, मत्स्य-पालन निषेध और विद्युत-सूक्ष्मग्रिड सुरक्षा मानक कदम हैं। चक्रवात-नामकरण WMO/ESCAP पैनल की सूची से होता है ('मुरासु' भारत द्वारा प्रस्तावित नाम)।

नामकरण का इतिहास

नामकरण-इतिहास भी पहली बार खास है: **मुरासु** सितंबर 2004 से उत्तर भारतीय महासागर के चक्रवात-नामकरण की शुरुआत के बाद **पहला तमिल नाम** है। यह क्षेत्रीय मौसम केंद्र (RMC) चेन्नई के सुझाव पर WMO/ESCAP पैनल की **दूसरी सूची** में शामिल हुआ - प्राचीन काल में सूचना और आपदा-चेतावनी पहुंचाने वाला पारंपरिक ताल-वाद्य। भारत की 13 नामों की सूची में यह तीसरा नाम है (गती, तेज के बाद); दूसरी सूची के लिए पैनल में 8 मूल सदस्यों के अलावा UAE और यमन सहित 5 नए देश जुड़े (कुल 13), और पैनल हर तीन वर्ष में मिलता है।

आगे की राह

- **लैंडफॉल-पश्चात निगरानी:** लैंडफॉल 3 नवंबर तड़के पूर्ण; अब IMD के बुलेटिन कमजोर होते तंत्र (चक्रवाती तूफान → गहरा निम्न दबाव) और अंतर्देशीय भारी वर्षा पर नज़र रखेंगे।
- **बचाव-तैनाती:** NDRF/राज्य टीमों की अग्रिम तैनाती, मछुआरों की वापसी और स्कूल-बंदी निर्णय तटीय जिलों में क्रियान्वित।
- **बाद-आकलन:** लैंडफॉल के बाद बाढ़/विद्युत-क्षति की समीक्षा और अर्नब-मुरासु दोहरे-तंत्र से सीख आपदा-योजना में।

परीक्षा दृष्टिकोण

मेन्स (GS-I/GS-III): चक्रवात-निर्माण परिस्थितियाँ (SST, कोरियोलिस); आपदा-जोखिम न्यूनीकरण में पूर्व-चेतावनी की भूमिका; तटीय-जिला तैयारी मॉडल (ओडिशा/आंध्र अनुभव)।

प्रीलिम्स: RSMC नई दिल्ली, चक्रवात-नामकरण (WMO/ESCAP पैनल), तीव्रता-वर्गीकरण (D/DD/CS/SCS)।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"भारत की चक्रवात-प्रबंधन सफलता पूर्व-चेतावनी और तटीय-तैयारी के संयोजन का परिणाम है।" चक्रवात 'मुरासु' के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए। 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: 'मुरासु' की स्थिति — 1 नवंबर को चक्रवाती तूफान, 2 नवंबर देर रात से 3 नवंबर तड़के (IST) दक्षिण आंध्र तट पर लैंडफॉल का पूर्वानुमान।

मुख्य भाग में: पूर्व-चेतावनी तंत्र: RSMC नई दिल्ली की भूमिका, उपग्रह/बुआय निगरानी, तीव्रता-वर्गीकरण (D→DD→CS→SCS) के अनुरूप क्रियाएँ। तटीय-तैयारी: NDRF तैनाती, मत्स्य-निषेध, बचाव-केंद्र, विद्युत-सूक्ष्मग्रिड सुरक्षा; ओडिशा/आंध्र के अनुभव से सीखा मॉडल। चुनौतियाँ: पूर्वानुमान-पथ में परिवर्तन, अंतिम-मील संचार, अनौपचारिक तटीय बसतियाँ, जलवायु-परिवर्तन से तीव्रता-वृद्धि। दिशा: प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान, समुदाय-भागीदारी, लचीला बुनियादी ढाँचा।

निष्कर्ष में: जान-बचाव का श्रेय तंत्र और तैयारी के संयोजन को है; जलवायु-युग में इस क्षमता का निरंतर निवेश अपरिहार्य।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. चक्रवात-तीव्रता वर्गीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: उत्तर भारतीय महासागर के चक्रवातों की निगरानी का क्षेत्रीय विशेष मौसम केंद्र (RSMC) नई दिल्ली में है।
कथन-II: चक्रवात-नामकरण WMO/ESCAP पैनल की पूर्व-निर्धारित सूची से होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं

(b) कथन-I सही है, किंतु कथन-II सही नहीं है

(c) कथन-I सही नहीं है, किंतु कथन-II सही है

(d) न तो कथन-I, न ही कथन-II सही है

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) — RSMC नई दिल्ली उत्तर भारतीय महासागर के चक्रवातों का केंद्र है; नाम WMO/ESCAP पैनल की सूची से क्रमवार दिए जाते हैं।

प्रश्न 2. चक्रवात 'मुरासु' के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है (1 नवंबर 2026 की स्थिति)?

(a) यह अरब सागर में बना और गुजरात तट की ओर बढ़ रहा है

(b) यह बंगाल की खाड़ी का तंत्र है; 2 नवंबर देर रात 11:30 बजे से 3 नवंबर तड़के 4:00 बजे (IST) के बीच दक्षिण आंध्र तट पार करने का पूर्वानुमान है

(c) यह लैंडफॉल किए बिना समुद्र में ही विलुप्त हो गया

(d) यह चक्रवात अर्नब का ही नया नाम है

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) — 'मुरासु' बंगाल की खाड़ी का तंत्र है; IMD के अनुसार 2 नवंबर को गंभीर चक्रवाती तूफान बनकर 2 नवंबर देर रात 11:30 बजे से 3 नवंबर तड़के 4:00 बजे (IST) के बीच नेल्लोर-नरसापुर के बीच 100-110 किमी/घंटा (झकोरा 120) से तट पार करने का पूर्वानुमान है। यह अर्नब से अलग घटना है।

स्रोत

1. IMD RSMC: विशेष उष्णकटिबंधीय मौसम-पूर्वानुमान (31 अक्टूबर 2026, 1800 UTC)
2. IMD RSMC: विशेष उष्णकटिबंधीय मौसम-पूर्वानुमान (1 नवंबर 2026, 0600 UTC)
3. हिंदुस्तान टाइम्स LIVE: चक्रवात 'मुरासु' — ताज़ा स्थिति (1 नवंबर 2026)
4. IMD RSMC: उष्णकटिबंधीय चक्रवात परामर्श क्र. 9 (2 नवंबर 2026, 1200 UTC)
5. IMD: घंटा-वार बुलेटिन क्र. 3 (2 नवंबर 2026, 1430 IST)
6. IMD RSMC: उष्णकटिबंधीय चक्रवात परामर्श क्र. 14 — लैंडफॉल पुष्टि (3 नवंबर 2026, 0210 UTC)
7. द हिंदू: 'मुरासु' — पहला तमिल चक्रवात-नाम (2 नवंबर 2026)

टिप्पणी: चक्रवात-पूर्वानुमान समय-बद्ध होते हैं — पथ, तीव्रता और लैंडफॉल-समय में बदलाव संभव; IMD के नवीनतम बुलेटिन को ही अंतिम मानें। पूर्वानुमान और वास्तविक घटना को अलग रखें।